

पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (PHDCCI) द्वारा 30 जून 2026 को पीएचडी हाउस, नई दिल्ली में आयोजित तकनीकी वस्त्रों पर राष्ट्रीय सम्मेलन की रिपोर्ट

पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (PHDCCI) द्वारा 30 जून 2026 को पीएचडी हाउस, नई दिल्ली में "टेक्निकल टेक्सटाइल्स के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां: इनोवेशन, सस्टेनेबिलिटी और स्वदेशी उत्कृष्टता (विकसित भारत 2047)" विषय पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में नीति निर्माताओं, उद्योग जगत के अग्रणी, शोधकर्ताओं और शिक्षाविदों सहित लगभग 300 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

सम्मेलन का उद्घाटन भारत सरकार के माननीय वस्त्र राज्य मंत्री श्री **पबित्रा मार्गेरिता** ने किया, जिन्होंने 'विकसित भारत 2047' के दृष्टिकोण को प्राप्त करने में नवाचार, स्वदेशी विनिर्माण, गुणवत्ता मानकों और स्थिरता के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने में तकनीकी वस्त्रों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला और क्षेत्र के विकास में तेजी लाने के लिए उद्योग, अनुसंधान संस्थानों और मानक निकायों के बीच अधिक सहयोग को प्रोत्साहित किया।

भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) ने ज्ञान भागीदार (नॉलेज पार्टनर) के रूप में सम्मेलन में भाग लिया। प्रदर्शनी क्षेत्र में, भारतीय मानक ब्यूरो ने तकनीकी वस्त्रों के क्षेत्र में प्रकाशित महत्वपूर्ण भारतीय मानकों को प्रदर्शित करने के लिए एक स्टाल भी लगाया। यहाँ ISI-चिह्नित उत्पादों के प्रदर्शन, भारतीय मानक ब्यूरो हैंडबुक/तकनीकी साहित्य के प्रदर्शन और प्रभावशाली दृश्य-श्रव्य प्रस्तुतियों के माध्यम से जानकारी दी गई। श्री पबित्रा मार्गेरिता ने स्टाल का दौरा किया और वस्त्र क्षेत्र में गुणवत्ता, सुरक्षा और मानकीकरण को बढ़ावा देने की दिशा में भारतीय मानक ब्यूरो के प्रयासों की सराहना की।

"**स्पोर्ट्स वैल्यू चेन: सोर्सिंग, स्टैंडर्डाइजेशन और स्केलिंग**" पर पैनल चर्चा के दौरान, श्री जे. के. गुप्ता (प्रमुख, वस्त्रादि विभाग) ने भारत के स्पोर्ट्स इकोसिस्टम को मजबूत करने में मानकीकरण की महत्वपूर्ण भूमिका पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने बताया कि भारतीय मानक ब्यूरो ने तकनीकी वस्त्रों के सभी प्रमुख क्षेत्रों को शामिल करने वाली समर्पित तकनीकी समितियां स्थापित की हैं और तकनीकी वस्त्रों एवं उनकी परीक्षण विधियों से संबंधित लगभग 600 मानकों सहित लगभग 1,600 भारतीय मानक प्रकाशित किए हैं। उन्होंने प्रतिभागियों को सूचित किया कि भारतीय मानक ब्यूरो ने स्पोर्ट्स टी-शर्ट, ट्रैकसूट, खेल के जूते, योगा मैट, खेल की रस्सियाँ, नेट, क्रिकेट की गेंदें, टेनिस बॉल, शटलकॉक, पर्वतारोहण कपड़े, इन्फ्लेटेबल उपकरण कपड़े और पीवीसी-कोटेड तन्य कपड़े जैसी विभिन्न स्पोर्ट्स उत्पादों के लिए लगभग 90 भारतीय मानक विकसित किए हैं।

चर्चा के दौरान, उन्होंने अगली पीढ़ी के स्पोर्ट्सवियर और खेल उपकरणों के लिए प्रदर्शन-आधारित मानक विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि नमी प्रबंधन, थर्मल विनियमन, सांस लेने की क्षमता, संपीड़न प्रदर्शन, खिंचाव और रिकवरी, घर्षण प्रतिरोध, धुलाई स्थायित्व, UV प्रतिरोध, त्वचा आराम, जैव-अनुकूलता और गंध प्रबंधन जैसी उभरती आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके। उन्होंने मजबूत परीक्षण बुनियादी ढांचे, एम्एसएम्ई अनुकूल अनुरूपता मूल्यांकन तंत्र और भारतीय स्पोर्ट्स उद्योग की गुणवत्ता, नवाचार और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा देने में हितधारकों के सहयोग के महत्व को भी रेखांकित किया।

इस सम्मेलन ने स्पोर्ट्स क्षेत्र में गुणवत्ता, नवाचार और स्थिरता को बढ़ावा देने में मानकीकरण की महत्वपूर्ण भूमिका को पुष्ट किया, साथ ही उच्च-प्रदर्शन वाले स्पोर्ट्स टेक्सटाइल और उपकरणों में भारत के एक वैश्विक नेता के रूप में उभरने का मार्ग प्रशस्त किया है।

Report on National Conference on Technical Textiles, organized by PHD Chamber of Commerce and Industry (PHDCCI) on 30 June 2026 at PHD House, New Delhi

A National Conference on Technical Textiles, was organized by PHD Chamber of Commerce and Industry (PHDCCI) 30 June 2026 at PHD House, New Delhi on the theme "*Scaling the Technical Textiles Frontier: Innovation, Sustainability, and Indigenous Excellence (Viksit Bharat 2047)*." The program was attended by around 300 participants including policymakers, industry leaders, researchers, academia.

The conference was inaugurated by Shri Pabitra Margherita, Hon'ble Minister of State for Textiles, Government of India, who emphasized the importance of innovation, indigenous manufacturing, quality standards and sustainability in achieving the vision of Viksit Bharat 2047. He highlighted the crucial role of technical textiles in enhancing India's global competitiveness and encouraged greater collaboration among industry, research institutions and standards bodies to accelerate the growth of the sector.

BIS participated in the conference as a knowledge partner. At the exhibition area, BIS also set up a stall to showcase important Indian Standards published in the field of technical textiles through demonstrations of ISI-marked products, display of BIS handbooks/technical literature, and immersive audio-visual presentations. The stall was graciously visited by Shri Pabitra Margherita, who appreciated BIS's efforts towards promoting quality, safety and standardization in the textile sector.

During the panel discussion on "Sportech Value Chain: Sourcing, Standardization and Scaling", Shri J. K. Gupta, Head, TXD, shared his views on the critical role of standardization in strengthening India's Sportech ecosystem. He highlighted that BIS has established dedicated sectional committees covering all major segments of technical textiles and has published around 1,600 Indian Standards, including nearly 600 standards related to technical textiles and their test methods. He informed the participants that BIS has developed around 90 Indian Standards covering various Sportech products such as sports T-shirts, tracksuits, sports shoes, yoga mats, sports ropes, sports nets, cricket balls, tennis balls, shuttlecocks, mountaineering fabrics, inflatable equipment fabrics and PVC-coated tensile fabric architectural membranes.

During the discussion, he emphasized the need for developing performance-based standards for next-generation sportswear and sports equipment to address emerging requirements such as moisture management, thermal regulation, breathability, compression performance, stretch and recovery, abrasion resistance, wash durability, UV resistance, skin comfort, biocompatibility and odour management. He also underlined the importance of robust testing infrastructure, MSME-friendly conformity assessment mechanisms and stakeholder collaboration in promoting quality, innovation and global competitiveness of the Indian Sportech industry.

The conference reinforced the pivotal role of standardization in promoting quality, innovation and sustainability in the Sportech sector, while paving the way for India's emergence as a global leader in high-performance sports textiles and equipment.





